सीयूजे ने एक साल में कई उपलब्धियों को हासिल किया : प्रो क्षिति भूषण दास

सीयूजे के कुलपति ने एक साल का कार्यकाल पूरा किया

स्वदेश संवाददाता

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने मंगलवार को एक साल का कार्यकाल पूरा किया। इसे लेकर सीयूजे के चेरी मनातू सभागार में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने अपने एक साल के अनुभवों को शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच साझा किया। उन्होंने कहा कि एक साल के दौरान विश्वविद्यालय को करीब से उन्होंने समझा है। इस दौरान सीयूजे ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। कई नए कोर्स भी विश्वविद्यालय में शुरू किये गये हैं। विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में काफी तेजी आई है, जिसका नतीजा है की दूसरा दीक्षांत समारोह सफलता पूर्वक नए भवन के सभागार में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों औ? कर्मचारियों में युवा चेहरे ज्यादा है, जिनसे काफी उम्मीदें हैं और सभी के सहयोग से ही किसी संस्था की बुनियाद मजबूत होती है। कुलपति ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ बेहतर सुविधा मिले यह उनके पहली प्राथमिकता रहती है। आने वाले सालों में इस दिशा में काफी काम किया जाना है। मौके पर डायरेक्टर आईक्यूसी प्रो रतन कुमार डे, डीन एकादमी प्रो मनोज कुमार, रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरि कमार, डीएसडब्लू डा मनोज कुमार समेत कई डीन, हेड, शिक्षक और अधिकारी उपस्थित थे।

वीसी बोले-कम समय में सीयूजे ने कई उपलब्धियां हासिल की है

रांची | झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने एक साल का कार्यकाल मंगलवार को पूरा किया। इस अवसर पर चेरी मनातू सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीसी ने एक साल के अनुभवों को शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ साझा किया। कहा कि एक साल के दौरान विश्वविद्यालय को करीब से समझा है। एक साल में सीयूजे ने कई उपलब्धियों को हासिल की है। कई नए कोर्स को भी विश्वविद्यालय में शुरू कराया गए। वहीं विश्वविद्यालय कैंपस के निर्माण कार्य में काफी तेजी आई है। विवि का दूसरा दीक्षांत समारोह नए कैंपस के सभागार में आयोजित होना सुखद लगा। कहा कि इस बात की खुशी है कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों में युवा अधिक हैं। इनसे काफी उम्मीदें है। कहा कि छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ बेहतर सुविधा देना उनकी पहली प्राथमिकता है। मौके पर मुख्य रुप से प्रो रत्न कुमार डे, मनोज कुमार, प्रो एसएल हरि कुमार, डॉ. मनोज कुमार समेत समेत शिक्षक कर्मचारी और स्टूडेंट्स थे।

परीक्षा की तैयारी कर रहे थे.

बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना प्राथमिकता

रांची. केंद्रीय विवि झारखंड (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा कि सबों के सहयोग से ही किसी संस्था की बुनियाद मजबूत होती है. विवि के विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले, इसी लक्ष्य के साथ हमें आगे बढ़ना है. कुलपति मंगलवार को विविं में अपना एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे. कुलपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि विवि में शिक्षकों और कर्मचारियों में युवा चेहरा ज्यादा हैं. विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ बेहतर सुविधा मिले, यह उनकी पहली प्राथमिकता रहती है. मौके पर आक्यूसी निदेशक प्रो आरके डे, डीन प्रो मनोज कुमार, रजिस्ट्रार प्रो एसएलह हरि कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार आदि उपस्थित थे. सभागार में कुलपति के एक साल की उपलब्धियों से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखायी गयी.

गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना प्राथमिकता: कुलपति

रांची। प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया। इसके मद्देनजर मंगलवार को विश्वविद्यालय के चेरी मनातू परिसर के सभागार में कुलपति ने शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ संवाद किया। कुलपति ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ बेहतर सुविधा मिले उनकी पहली प्राथमिकता है। कुलपति ने अपने एक वर्ष के अनुभवों को शिक्षकों व कर्मचारियों के बीच साझा किया।

उन्होंने कहा कि एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय को करीब से उन्होंने समझा। इस दौरान सीयूजे ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। कई नए कोर्स शुरू कराए गए। विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में तेजी आई है, जिसका नतीजा है कि दूसरा दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक नए भवन में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों में युवा चेहरे ज्यादा हैं। कार्यक्रम में निदेशक आईक्यूसी प्रो रत्न कुमार डे, डीन अकादमी प्रो मनोज कुमार, रजिस्ट्रार प्रो एसएज हरि कुमार, डीएसडब्लू डॉ मनोज कुमार समेत विभिन्न संकाय के डीन आदि मौजूद थे।

शिक्षकों और कर्मियों से मंगलवार को संवाद करते सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास।